**विक्रय करने के करार के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अति सादर पूर्वक निवेदन करता है -**

1. तारीख ................... को इसके साथ उपाबद्ध की गयी अनुसूची में ब्यौरे वार जिला ............................ के तहसील .............................. की गाँव .................. ................. में स्थित ................................... बीघे भूमिधरी भूमि का विक्रय करने के एक करार के जरिये **कखग** प्रतिवादी जिला कलक्टर से इजाजत लेने के पश्चात् उपर्युक्त करार की तारीख से छः महीने के अन्दर ................... रुपये (.......................... रुपये) के लिए वादी को उपर्युक्त भूमि का विक्रय करने के लिए करार किया क्योंकि प्रतिवादी अनुसूचित जाति का है।
2. उपर्युक्त करार को जिला ........................... के उपरजिस्ट्रार के पूर्व रजिस्ट्रीकृत कराया गया और ............... ............. रुपये का संदाय बतौर अग्रिम धन के रूप में किया गया और भूमि का कब्जावादी को दिया गया।
3. वादी कलक्टर से अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए तथा यथापरोक्त प्रतिफल के लिए विक्रय विलेख का निष्पादन करने के लिए प्रतिवादी से अनुरोध कर रहा है।
4. जब उपर्युक्त छ: महीने की कालावधि लगभग समाप्त होने वाली थी तब वादी ने जिला कलक्टर की अपेक्षित अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् विक्रय विलेख का निष्पादन करने हेतु तारीख .......................... प्रतिवादी द्वारा प्राप्त की गयी एक रजिस्ट्रीकृत नोटिस दिनांकित.......................... के माध्यम से प्रतिवादी को सूचना दी लेकिन प्रतिवादी ने वही नहीं किया।
5. वाद हेतुक उपर्युक्त करार की तारीख से छः महीने की समाप्ति के पश्चात् तारीख ........................ को इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर पैदा हुआ जब प्रतिवादी ने वादी स नोटिस प्राप्त किया और तत्पश्चात वादी ने न तो प्रतिवादी की नोटिस का जवाब दिया और न ही उसके निबन्धनों का अनुपालन किया।
6. वाद का मूल्यांकन ............................ रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस ' प्रयोजनार्थ ...... ..................... रुपये एक व्यादेश की माँग करने के मामले में मूल्यांकन की रकम का पांचवा भाग है और उस पर न्यायालय फीस का संदाय किया जाता है।
7. सुविधा का संतलन वादी के पक्ष में है और यह समीचीन है कि एक आज्ञापक व्यादेश या करार पायी गयी विक्रय विलेख को निष्पादित करने हेतु प्रतिवादी को जारी किया जा सकेगा।

**दावाकृत अनुतोष :**

इस वाद के रूप में दावाकृत अनुतोष है : प्रतिवादी को वादी के पक्ष में यथा करार पायी गयी विक्रय विलेख का निष्पादन करने हेत एक आज्ञापक व्यादेश जारी करके निर्देशित किया जाय।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी